

अजीत समदहिया आत्मज केशरीचन्द्र समदहिया
निवासी 16, सराफा बाजार, जबलपुर
----- अनावेदकाण

मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा-8 एवं 50
द्वारा प्रदत्त अधीचाण एवं पुनरीचाण की शक्तियों
का प्रयोग कर श्रीगौशाला, कटनी की भूमि का अवैध
रूप से किये गये नोडयल परिवर्तन एवं विक्रय को निरस्त
किये जाने हेतु आवेदन.

महोदय,

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य निम्नानुसार हैं :-

- 1- संस्था श्रीगौशाला कटनी (म0प्र0) का गठन लगभग 92 वर्ष
पूर्व गौवंश की रक्षा, उन्नति तथा वृद्धि के लिये कटनीवासियों ने किया
था। श्रीगौशाला के संचालन हेतु कटनी के स्थानीय नागरिकों की एक
कमेटी गठित हुयी थी जिसका फंजीयन असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार जोइंट स्टाक
कम्पनी सी. पी. बरार द्वारा दिनांक 26-9-1938 को किया गया था।
बाद में संस्था को एक न्यास के रूप में फंजीयत किया गया।
- 2- संस्था श्री गौशाला, कटनी ने दान आदि द्वारा अपने उद्देश्य
की पूर्ति हेतु भूमि अधिग्रहीत की जिसका क्षेत्रफल लगभग 3-4 सौ एकड़
है। श्री गौशाला, कटनी समस्त भूमि की अभिलिखित भूमिस्वामी है।
- 3- संस्था श्रीगौशाला, कटनी की कमेटी के फदाधिकारी समयानुसार
परिवर्तित होते रहे। वर्तमान में सूर्यमानसिंह यादव तथा गोपालचारी
गुप्ता स्वयं को कैमरा: अध्यक्ष एवं सचिव के रूप में निर्मित कर श्री गौशाला
की सम्पत्ति का दुरुन्ययोग कर रहे हैं।
- 4- तथाकथित अध्यक्ष एवं सचिव ने गौशाला जैसे पवित्र उद्देश्य के लिये
धारित भूमि में से ग्राम टिकटिया स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 30 एवं 32 में से
कुल क्षेत्रफल 12.190 हेक्टेयर भूमि का विक्रय अनावेदक-4 को कर दिया
है जब कि गौशाला की भूमि विक्रय करने की गौशाला को कोई आवश्यकता
नहीं थी। उक्त विक्रय-पत्र दिनांक 4-6-2005 की प्रति संलग्न है।

R
2/5

राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

पकरण क्रमांक निगरानी 1034-दो/10

जिला - कटनी

कार्यवाही तथा आदेश

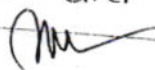
5.9.16

यह विविध आवेदन म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 8 के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है।

2- विविध आवेदन में वर्णित तथ्यों पर आवेदकगण के अधिवक्ता को सुना गया। उन्होंने बताया कि शासन की ओर से गौशाला हेतु मौजा पड़रवारा राजस्व निरीक्षक वृत्त पहाड़ी तहसील मुडवारा जिला कटनी में भूमि खसरा नंबर 30 रकबा 4.330 है0 खसरा नंबर 32 रकबा 9.460 है0 प्रदान की गई थी, किन्तु गौशाला के अध्यक्ष एवं मंत्री ने अधिकार न होते हुये भी पद का दुरुपयोग करते हुये उक्त भूमि में से 12.190 है0 भूमि का विक्रय मैसर्स समदड़िया विल्डर्स को विक्रय किया गया है इसलिये संहिता की धारा 8 के अंतर्गत पर्यवेक्षण शक्तियों के अधीन विक्रय पत्र के आधार पर किये गये नामांतरण को निरस्त किया जावे।

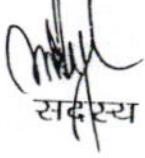
3- आवेदक के अधिवक्ता के तर्कानुक्रम में प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया। अभिलेख के अवलोकन से यह तथ्य निर्विवाद है कि गौशाला के अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा मौजा पड़रवारा तहसील





मुडवारा सिीत भूमि खसरा नंबर 30 रकबा 4.330 है0 खसरा 32 रकबा 9.460 है0 में से 12.190 है0 भूमि का विक्रय मैसर्स समदड़िया विल्डर्स को विक्रय किया गया है एवं विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण पंजी पर केता का नामांतरण किया गया है किन्तु विक्रय पत्र को शून्य घोषित करने की अधिकारिता राजस्व न्यायालय को नहीं हैं जहां तक नामांतरण पंजी पर केता का नामांतरण किये जाने का प्रश्न है? नामांतरण आदेश अपील योग्य आदेश हे और संहिता की धारा 8 के अंतर्गत पर्यवेक्षण शक्तियों का प्रयोग वहीं किया जाना उचित है जहां अपील/निगरानी का उपचार प्राप्त न हो तथा ऐसा अभिलेख से प्रमाणित हो जाय कि प्रावधानों में की गई व्यवसी पक्षकार की मांग के अनुरूप नहीं है एवं पक्षकार को न्याय पाने में असुविधा है। विचारा धीन प्रकरण में आवेदकगण को नामांतरण आदेश के विरुद्ध अपील का उपचार प्राप्त है। अतएव इस आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि सहित आवेदकगण सक्षम न्यायालय में 30 दिवस के भीतर अपील प्रस्तुत कर सकेंगे।

4- उपरोक्त विवेचना के आधार पर विविध आवेदन अप्रचलन योग्य पाये जाने से इसी स्तर पर अमान्य किया जाता है।


सदस्य

